जैसे जैसे दर पे तेरे झुकता चला गया | By Mukesh Bagda |

जैसे जैसे दर पे तेरे झुकता चला गया,
वैसे वैसे मैं तो ऊंचा उठता चला गया,
ओ सांवरे ओ सांवरे ओ सांवरे ओ सांवरे

देर से समझा तुझे ,ये भूल मेरी है,
सांवरे माथे पे अब तो धूल तेरी है,
जैसे जैसे भजनो में मैं रमता चला गया,
वैसे वैसे मैं तो ऊंचा उठता चला गया,
ओ सांवरे ओ सांवरे ओ सांवरे ओ सांवरे

मान लू कैसे तुझे परवाह नहीं मेरी
इतना दिया तुमने मुझे ये है दया तेरी
जैसे जैसे हारे के संग चलता चला गया
वैसे वैसे मै तो ऊंचा उठता चला गया
ओ सांवरे ओ सांवरे ओ सांवरे ओ सांवरे

हर मुसीबत में तुझे हाजिर सदा पाया
हर खुशी में "हर्ष" ने शामिल सदा पाया
जैसे जैसे श्री चरणों में गिरता चला गया
वैसे वैसे मै तो ऊंचा उठता चला गया
ओ सांवरे ओ सांवरे ओ सांवरे ओ सांवरे

जैसे जैसे दर पे तेरे झुकता चला गया,
वैसे वैसे मैं तो ऊंचा उठता चला गया,

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9c%e0%a5%88%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%9c%e0%a5%88%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%a6%e0%a4%b0-%e0%a4%aa%e0%a5%87-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%9d%e0%a5%81%e0%a4%95%e0%a4%a4%e0%a4%be-2/